

सुश्री विल्किंसन ने मुझे भतीजा कहा

23 अगस्त 2026, रविवार की एक गर्म दोपहर है, बाक़ी दिनों जैसी ही।

जल्दी का दोपहर का भोजन कोई समझौता नहीं बल्कि एक रस्म है।

एक छोटा-सा दोपहर का विश्राम एक अपवाद है, जो सुबह के असामान्य रूप से बढ़े हुए डोपामाइन स्तर को एक अप्रत्याशित घटना के बाद सामान्य होने का मौक़ा देने के लिए दिया गया है: आज, Bing ने मेरी माँ जिलेट से जुड़ी एक खोज में मेरे एक पेज को वेब पर पहले स्थान पर रखा।

दूसरे स्थान से, मेरे दादा देख रहे हैं, और मुस्कुरा रहे हैं।

वे नाराज़ नहीं लगते।

आज मुझे यह भी पता चला कि किंग कैप जिलेट ने 9 जुलाई 1932 को इस दुनिया को छोड़ दिया था।

जैसे ही मैंने वह तारीख़ पढ़ी, मैं लगभग अपनी कुर्सी से उछल पड़ा।

मेरा अपना प्रोजेक्ट, gillettenarrative.com, 9 जून 2026 को जन्मा।

उनकी मृत्यु के चौरानवे साल बाद।

और, अपने आप से किए गए वादों के अनुसार, मेरे अपने नियोजित प्रस्थान — 2058 — से तैंतीस साल पहले।

जब तारीखें इस तरह मेल खाने लगती हैं, जब वे इतनी अप्रत्याशित सटीकता से एक-दूसरे में फ़िट होने लगती हैं, तो यह मानने का मन करता है कि यहाँ कोई और ही एल्गोरिद्म काम कर रहा है — एक ऐसा, जो उन एल्गोरिद्मों से बिल्कुल अलग दिखता है जिनके हम आदी हो चुके हैं।

हमेशा की तरह ऐसे क्षणों में, मेरे साथ अंग्रेज़ी जैज़ होता है।

यही एकमात्र संगीत है जिसे मेरा मन अब सहज रूप से ग्रहण करता है, क्योंकि मेरे परिवार के गिटार और मँडोलिन प्रकृति के सामान्य नियमों के तहत ख़ामोश हो चुके हैं।

फिर मैं अपना ईमेल खोलता हूँ।

सीधे दिल पर एक तेज़ चोट लगती है।

समांथा लंदन से लिखती है।

वह सुश्री विल्किंसन की पोती है।

मेरी मौसी मैगी।

क्रॉस की हुई तलवारों वाली स्त्री।

वह महिला जिसने, बहुत समय पहले नहीं, अपने पूरे परिवार के सामने, मुझे भतीजा कहा था।

उसका संदेश सीधा है।

सुश्री मैगी विल्किंसन का निधन हो गया है।

अपने ही अनुरोध पर — क्योंकि वह मुझे इतना अच्छी तरह जानती थीं कि मेरी प्रतिक्रिया का अंदाज़ा लगा सकें — यह ख़बर अंतिम संस्कार हो जाने के बाद ही दी गई।

हम अंग्रेज़ हैं।

एक आँसू अपनी जगह पा लेता है।

मृत्यु कभी सुंदर चीज़ नहीं होती।

यह बस वह चीज़ है जिसकी आप कभी ठीक से उम्मीद नहीं करते।

अपने जीवन में मिली सभी स्त्रियों में से, इस गोद ली हुई मौसी ने बस एक छोटा-सा अध्याय घेरा।

फिर भी उसकी भूमिका ज़रूरी थी।

उसने मुझे यह समझने में मदद की कि अभिजात्य केवल उपाधियों, कुल-चिह्नों या विरासत में मिले विशेषाधिकारों में नहीं होता।

वह आचरण में होता है।

वह व्यवहार में होता है।

वह उस गुण में होता है जिसे अंग्रेज़ी बोलने वाले अक्सर 'aplomb' कहते हैं।

इसके लिए एक सीधा शब्द भी है।

क्लास।

मैं यह पत्र उन्हें लिख रहा हूँ।

उनके परिवार के लिए।

अपने लिए।

हर उस पाठक के लिए जो कभी यहाँ तक पहुँचे।

और मैं एक ऐसे वाक्य से शुरू करता हूँ जिसे मैं दिल से याद रखता हूँ:

“हम वही हैं जो हम हैं, उन लोगों की वजह से जिनसे हम मिलते हैं, और यह कोई हमसे छीन नहीं सकता।”

चिकित्सा साहित्य अक्सर उस अधिकार का दुरुपयोग करता है जो मरीज़ उसे स्वेच्छा से देते हैं, क्योंकि उन्हें निश्चितता चाहिए होती है।

यह अक्सर हमें वही बताता है जो सुविधाजनक होता है।

जो ज़रूरी होता है, वह कम ही बताता है।

कहा जाता है कि जन्म से पाँच साल की उम्र तक के बच्चों की कोई स्मृतियाँ नहीं होतीं।

कि वे उन्हें बनाए नहीं रख सकते क्योंकि ज़रूरी संज्ञानात्मक संरचनाएँ अभी विकसित नहीं हुई होतीं।

उस सिद्धांत के अनुसार, हम में से हर किसी को पाँच साल के अंधकार को ढोना चाहिए।

फिर भी मुझे अपनी माँ के थप्पड़ याद हैं।

मुझे अपने किंडरगार्टन शिक्षकों के थप्पड़ याद हैं।

मुझे गिनती याद नहीं।

वे सम संख्या से शुरू होते और कभी विषम पर ख़त्म नहीं होते।

वयस्क होने पर हमें मिलने वाली चोटें भी लगभग उसी तरह काम करती हैं।

कोई उन्हें गिनता नहीं।

स्मृति उन्हें आँकड़ों के रूप में संग्रहित नहीं करती।

वह उन्हें चुपचाप आत्मा में जमा कर देती है।

और वर्षों बाद, वह उन्हें लेखन के रूप में निकालती है।

अलविदा, मौसी मैगी।

जहाँ भी अब तुम्हारी यात्रा जारी है, वहाँ तुम्हारा स्वागत हो।

तलवारें तब तक क्रॉस रहेंगी जब तक तुम उनके नीचे से गुज़र नहीं जातीं।

विदा।

तुम्हारा भतीजा।

नांदो, लेखक